सार्वभौमिक विकासात्मक विलंब किसे कहते हैं?

मुख्य संदेश

‘सार्वभौमिक विकासात्मक विलंब’ शब्दों का अर्थ बस यह होता है कि कम उम्र का कोई बच्चा विकास के दो या अधिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण मापदण्डों को पूरा करने में उल्लेखनीय रूप से पीछे है। सार्वभौमिक विकासात्मक विलंब मूल्यांकन (डायग्नोसिस) जीवन भर के लिए नहीं होता, यह परोक्षी (प्लेस होल्डर) है जिसके कारण प्रभावित बच्चा और उसका परिवार सहायता सेवाओं तक पहुँच सकता है।

LIVING WELL WITH GLOBAL DEVELOPMENTAL DELAY

यात्रा का प्रारंभ

जब आप अपने बच्चे के विकास के बारे में चिंतित होते हैं, तो आप अपने प्रश्नों के उत्तर पाना चाहते हैं। आप जानना चाहते हैं कि क्या ऐसी कोई समस्या है जिसके बारे में आपको चिंतित होना चाहिए और यह भी कि समस्या क्या हो सकती है। इससे भी ज़्यादा, आप यह जानना चाहते हैं कि अपने बच्चे की सहायता करने के लिए आप क्या कर सकते हैं। आपको यह बताया जाना कि आपके बच्चे में सार्वभौमिक विकासात्मक विलंब है, आपके बच्चे और परिवार के लिए सहायता प्राप्त कर सकने के लिए पहला कदम होता है। हम यह जानते हैं कि जीवन के शुरुआती वर्ष, आगे आने वाले वर्षों में जो होना है उसकी नींव रखते हैं , इसलिए शुरु में ही सहायता प्राप्त करना महत्वपूर्ण है।

यह पता लगने से कि आपके बच्चे में सार्वभौमिक विकासात्मक विलंब है, आप शुरु में ही सहायता प्राप्त कर सकते हैं। प्रारंभिक बाल्यावस्था हस्तक्षेप के बारे में और अधिक जानने के लिए यहाँ क्लिक करें

सार्वभौमिक विकासात्मक विलंब का मतलब क्या होता है?

शिशु और बच्चे उम्र बढ़ने के साथ-साथ महत्वपूर्ण चीज़ें सीखते हैं जैसे कि बैठना, हाथों व घुटनों के बल चलना, चलना, बुदबुदाना, बातें करना और शौचालय में मल-मूत्र विसर्जन करना। इन कौशलों को *विकास से संबंधित मापदण्ड* कहा जाता है और ये अपेक्षित क्रम में सीखे जाते हैं और सामान्यतया इन्हें सीखने की उम्र भी अपेक्षित होती है। जब कोई बच्चा सामान्यतया

अपेक्षित उम्र में इनमें से किसी भी मापदण्ड को पूरा करने में असफल रहता है, तो उस बच्चे के विवरण में कहा जाता है कि उसमें उस क्षेत्र में विकासात्मक विलंब है।

अगर कोई बच्चा कम से कम दो क्षेत्रों में विकास के मापदण्ड को पूरा करने में अत्यंत पीछे रह जाता है तो यह पहचान की जाती है कि उस बच्चे में *सार्वभौमिक विकासात्मक विलंब* (*Global Developmental Delay*) है।

LIVING WELL WITH
GLOBAL
DEVELOPMENTAL
DELAY

‘अत्यंत विलंब’ का अर्थ है कि उसकी उम्र के बच्चों से हम जो कार्य कर सकने की अपेक्षा करते हैं उसे करने में वो कम से कम 6 महीने पीछे है। अगर बच्चे का जन्म समय से पहले हो गया था, तो बच्चे की ‘एडजस्टेड’ उम्र को बच्चे की तत्कालीन उम्र माना जाता है। यदि बच्चे का जन्म गर्भावस्था का समय पूर्ण होने के बाद हुआ होता तो उसकी जो तत्कालीन उम्र होती उसे एडजस्टेड उम्र कहते हैं।

विकास के क्षेत्रों का वर्णन विभिन्न तरीकों से किया जा सकता है लेकिन उनमें निम्नांकित शामिल है:

संज्ञानात्मक या सोचने की योग्यताएँ (समस्या समाधान, याददाश्त)

सकल शारीरिक विकास (बड़ी शारीरिक गतिविधियाँ जैसे कि बैठना, हाथों व घुटनों के बल चलना, चलना, कूदना)

सूक्ष्म शारीरिक विकास (छोटी वस्तुओं या खिलौनों को पकड़ने के लिए हाथों और अंगुलियों का उपयोग करना, पेंसिल पकड़ना, वस्त्रों के बटन या चेनें बंद करना)

संवाद (बोलने की और भाषा की योग्यता)

सामाजिक और व्यक्तिगत योग्यताएँ (व्यस्कों तथा अन्य बच्चों से मेल-जोल करना; अपना ख़ुद का व्यवहार नियंत्रित करना)

स्व-सहायता योग्यताएँ (भोजन खाना, शौच जाना, कपड़े पहनना)

सभी बच्चों का विकास समान गति से नहीं होता; इसमें बहुत सारी भिन्नताएँ होती हैं। यही कारण है कि हम विलंब के पैटर्न पर ध्यान देते हैं और इस बात पर भी ध्यान देते हैं कि क्या यह विलंब दो या अधिक क्षेत्रों में है। किसी एक क्षेत्र में विलंब ‘सार्वभौमिक’ विलंब नहीं होता और

उसके बारे में बस एक विकासात्मक विलंब के रुप में बात की जा सकती है।

LIVING WELL WITH GLOBAL DEVELOPMENTAL DELAY

सार्वभौमिक विकासात्मक विलंब एक 'परोक्षी मूल्यांकन (प्लेसहोल्डर डायग्नोसिस)' होता है

यह समझना भी महत्वपूर्ण है कि सार्वभौमिक विकासात्मक विलंब एक ऐसा मूल्यांकन नहीं है जो जीवन भर के लिए हो। यह उम्र के एक पड़ाव पर बच्चे के विकास का विवरण होता है, और इसका उपयोग केवल तभी होता है जब किसी अंतर्निहित समस्या की पहचान नहीं की जा सकती है, उदाहरण के लिए जब सभी के लिए समान तरीके से की जाने वाली जाँच में हिस्सा लेने के लिए बच्चे की उम्र बहुत कम हो। इसे हम परोक्षी मूल्यांकन (प्लेसहोल्डर डायग्नोसिस) कहते हैं, एक अस्थाई विवरण जो हमें बताता है कि बच्चा विकास से संबंधित उन मुख्य बिंदुओं तक नहीं पहुँच

पा रहा है जिन तक पहुँचने की हमें उससे अपेक्षा है।

LIVING WELL WITH GLOBAL DEVELOPMENTAL DELAY

यदि आपके बच्चे में उम्र बढ़ने के साथ विकासात्मक विलंब जारी रहता है, तो इसके कारण स्पष्ट हो जाएंगे तथा और विशिष्ट मूल्यांकन किया जा सकेगा।

सार्वभौमिक विकासात्मक विलंब किन कारणों से होता है?

सार्वभौमिक विकासात्मक विलंब (जीडीडी) का सर्वाधिक सामान्य कारण बच्चे के वंशाणूओं या गुणसूत्रों (क्रोमोसोम्स) में समस्या होना होता है, उदाहरण के लिए डाउन सिंड्रोम या फ्रैजाइल एक्स सिन्ड्रोम।

कभी-कभी, बच्चे के मस्तिष्क या रीढ़ की हड्डी की बनावट या विकास में समस्याओं के कारण भी सार्वभौमिक विकासात्मक विलंब हो सकता है।

अन्य कारणों में शामिल हो सकता है:

समय से पहले (बहुत जल्दी जन्म हो जाना)

जन्म से संबंधित आघात

संक्रमण (उदाहरण के लिए मैनिनजाइटिस, इंसेफेलाइटिस)

चयापचय संबंधी रोग, जैसे कि कम सक्रिय थॉयराइड ग्रंथि (हाइपोथॉइराइडिज़्म)

गर्भावस्था में हानिकारक (विषाक्त पेय पदार्थों), जैसे कि शराब, के संपर्क में आना, किसी दुर्घटना के कारण या लगभग डूबने के कारण मस्तिष्क में चोट लगना।

कुछ बच्चों के लिए, सार्वभौमिक विकासात्मक विलंब के कारणों का कभी भी पता नहीं लग पाता है।

LIVING WELL WITH GLOBAL DEVELOPMENTAL DELAY

‘सार्वभौमिक विकासात्मक विलंब’ शब्दों का प्रयोग क्यों किया जाता है?

किसी बच्चे में सार्वभौमिक विकासात्मक विलंब का पता लगना उपयोगी होता है क्योंकि इसका मतलब है कि आप प्रारंभिक बाल्यावस्था हस्तक्षेप सेवाओं और सहायताओं तक पहुँच प्राप्त कर सकते हैं, और आपका बच्चा एनडीआईएस के तहत सहायता पाने के लिए पात्र होगा।

एनडीआईएस के तहत सहायता के लिए पात्रता के बारे में यह स्पष्ट रूप से कहा गया है कि 7 साल से कम उम्र के बच्चों को मूल्यांकन (डायग्नोसिस) की ज़रूरत नहीं है। इस बारे में और अधिक जानकारी के लिए, एनडीआईएस की वेबसाइट पर जाएँ:

https://www.ndis.gov.au/understanding/families-and-carers/early-childhood-approa ch#help-for-children-younger-than-7

‘‘विलंब’’ के बारे में बात क्यों की जाती है?

“विलंब” शब्द का उपयोग भ्रमित करने वाला हो सकता है। यह शब्द बताता है कि बच्चा विकास के मामले में अपने हम-उम्र बच्चों के बराबर पहुँच जाएगा और विकास में देरी नहीं होगी। लेकिन, जिन बच्चों में सार्वभौमिक विकासात्मक विलंब का पता लगता है उनमें से अधिकाँश में जीवन भर सीखने की (लर्निंग) अक्षमताएँ रहेंगी। जैसे-जैसे उनकी सीखने की क्षमता तथा अन्य आवश्यकताएँ और अधिक स्पष्ट होती जाती हैं, उनमें किसी विशेष अक्षमता या अक्षमताओं का पता लगने की संभावना होती है। इससे फिर उनको उनकी आवश्यकतानुसार सहायता देने के लिए सेवाओं को और भी लक्षित किया जा सकता है।

आपको यह बताया जाना कि आपके बच्चे में सार्वभौमिक विकासात्मक विलंब है, अपने बच्चे

और परिवार के लिए सहायता प्राप्त कर सकने के लिए आपकी यात्रा की शुरुआत होती है। यह समझना सबसे महत्वपूर्ण होता है कि सहायता उपलब्ध है!

माता-पिता के लिए संसाधन

रॉयल चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल (2009)। *विकासात्मक विलंब: माता-पिता के लिए एक सूचना गाइड।* पार्कविल, विक्टोरिया: दी रॉयल चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल।

http://www.rch.org.au/uploadedFiles/Main/Content/cdr/Dev_Delay.pdf

विकासात्मक विलंब। संपर्क - अक्षम बच्चों के परिवारों के लिए (यूके)

https://contact.org.uk/conditions/global-developmental-delay/

संव्यवसायिकों के लिए संसाधन

अमेरिकन साइकाट्रिक एसोसिएशन (2022)। *Diagnostic and statistical manual of mental disorders:* (*मानसिक विकारों की नैदानिक और साँख्यिकीय पुस्तिका*) *DSM-5-TR* (Fifth edition, text revision.) (*DSM-5-TR* (पाँचवा संस्करण, व्याख्यान संशोधन.)। अमेरिकन साइकाट्रिक एसोसिएशन प्रकाशन।

डिवीज़न आफ अर्ली चाइल्डहुड (2009)। *Developmental Delay as an Eligibility Category*. (*विकासात्मक विलंब एक पात्रता श्रेणी के रुप में*) / डीइसी कॉन्सेप्ट पेपर। मिसौला, मोन्टाना: डिवीज़न आफ अर्ली चाइल्डहुड, काउंसिल फोर एक्सेपशनल चिल्ड्रन।

http://dec.membershipsoftware.org/files/Position%20Statement%20and%20Papers/Delay%20Concept%20Paper.pdf

McLean, M., Smith, B., McCormick, K., Schakel, J., & McEvoy, M. (1991) (मैक्लिएन, एम., स्मिथ, बी., मैक्कोर्मिक, के., शेकल, जे., व मैक्ईवॉय, एम. (1991))। *विकासात्मक विलंब: Establishing parameters for a preschool category of exceptionality*.: (*प्री-स्कूल में असाधारणता की एक श्रेणी के लिए मापदण्ड स्थापित करना)* / डिवीज़न फोर अर्ली चाइल्डहुड का स्थिति वक्तव्य, काउंसिल फोर एक्सेपशनल चिल्ड्रन। वॉशिंगटन, डीसी: काउंसिल फोर एक्सेपशनल चिल्ड्रन।

राष्ट्रीय अक्षमता बीमा योजना अधिनियम 2013। सँख्या 20, 2013 संशोधित प्रारूप। कैनबरा, एसीटी: कॉमनवैल्थ ऑफ ऑस्ट्रेलिया

रॉयल ऑस्ट्रेलियन कॉलेज ऑफ फिज़िशियन्स बालचिकित्सा व बाल स्वास्थ्य संभाग (2013)। पोज़ीशन वक्तव्य: *विकासात्मक अक्षमताओं वाले बच्चों के लिए शुरु में ही हस्तक्षेप*/ सिडनी, एनएस डब्ल्यू: रॉयल ऑस्ट्रेलियन कॉलेज ऑफ फिज़िशियन्स।